नाच नचा ले बाबा | By Sardar Romi |

नाच नचा ले बाबा,
अपने दरबार में,
हमको नचाना ना तू,
झूठे संसार में।

अर्ज लगाऊँ तुमसे कान्हा,
हे मोहन गिरधारी,
हे मोहन गिरधारी,
बंसी बजैया धेनु चरैया,
श्याम धनी दातारी,
श्याम धनी दातारी,
बीते ये जीवन मेरा,
बस तेरे प्यार में,
हमको नचाना ना तू,
झूठे संसार में।

हट जाए अंधियारा सारा,
ज्ञान का दीप जला दे,
ज्ञान का दीप जला दे,
ऐसी लगन लगे प्रभु हमको,
प्रीत की रीत सिखा दे,
प्रीत की रीत सिखा दे,
झूमूँ मस्ती में गाऊँ,
सच्चे दरबार में,
हमको नचाना ना तू,
झूठे संसार में।

जीवन की इस होली में मैं,
तेरे ही रंग रचूँ,
तेरे ही रंग रचूँ,
श्याम रंग से तन मन रंग के,
खाटू में मैं नाचूँ,
खाटू में मैं नाचूँ,
तेरे होते क्यों डूबे,
नैया मझधार में,
हमको नचाना ना तू,
झूठे संसार में।

नाच नचा ले बाबा,
अपने दरबार में,
हमको नचाना ना तू,
झूठे संसार में।

%e0%a4%b2%e0%a5%87-%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%ac%e0%a4%be-by-sardar-romi/